आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–14 जनवरी 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मकर संक्रांति के मौके पर आज सुबह शुरू हुआ महाकुंभ का पहला अमृत स्नान, कड़ी सुरक्षा के बीच महाकुंभ के पहले दिन कल पौष पूर्णिमा पर करीब पौने दो करोड़ लोगों ने किया महाकुंभ स्नान
- महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ धाम में स्पर्श दर्शन पर लगी है रोक, सभी आरतियों के साथ दर्शन जारी
- गोरक्षपीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में बाबा गोरखनाथ को चढ़ाई खिचड़ी, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं, कहा– जगतपिता सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का उत्सव है मकर संक्रांति
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को किया संबोधित, कहा–प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आयुर्वेद और योग को फिर से मिल रहा है प्राचीन गौरव

****

महाकुंभ नगर में त्रिवेणी संगम पर मकर संक्रांति के दिन आज सुबह से महाकुंभ का पहला अमृत स्नान शुरू हो गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महानिर्वाणी पंचायती अखाड़े के साधुओं ने सबसे पहले अमृत स्नान किया। सनातन धर्म से जुड़े तेरह अखाड़ों के साधु संत आज त्रिवेणी संगम पर अमृत स्नान कर रहे हैं। देश विदेश से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालु और पर्यटक भी महाकुंभ स्नान कर रहे हैं। कल पौष पूर्णिमा के प्रथम स्नान के दिन देर शाम तक करीब एक करोड़ पैसठ लाख से अधिक लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किये गये हैं। हमारे प्रतिनिधि प्रवीण मिश्र ने बताया कि–

अमृत पर्व पर सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़े ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई है श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर यहां पर आने और जाने मे मार्ग के निर्धारित किये गये हैं साथ ही साथ संगम घाट पर डीपलाईन बैरीकेंटीग की भी व्यवस्था की गयी है। संगम श्रेत्र में श्रद्धालुओ का हुजूम बराबर उमड़ता चला आ रहा है साथ ही उनके अंदर एक उल्लास नजर आ रहा है

हमारे प्रयागराज प्रतिनिधि ने बताया कि आज शाम तक अलग अलग अखाड़े अपने अपने लिए निर्धारित समय के अनुसार अमृत स्नान करेंगे। महाकुंभ मेला प्रशासन ने मकर संक्रांति और बसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए यह व्यवस्था जारी की है।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश और दुनिया में महाकुंभ के प्रति जो आकर्षण दिख रहा है वह अकल्पनीय है।

इस सदी का पहला महाकुंभ तीर्थपति प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है और आज पहला अमृत स्नान का पुण्य प्रारंभ हो चुका है यानि महाकुंभ में के प्रति जो आकर्षण देश और दुनिया में देखने को मिल रहा है वह अद्भुत है अकल्पनीय है कल ही आपने देखा होगा प्रयागराज में लगभग पौने दो करोड़ श्रद्धालुजनों ने माँ गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन त्रिवेणी के संगम पर डुबकी लगाकर के पुण्य के भागीदारी बने।

पौष पूर्णिमा पर कल से शुरू हुआ महाकुंभ छब्बीस फरवरी तक चलेगा । इस अवधि में वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम में भी स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। धाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने इस संबंध में अपील जारी की है।

अट्ठाईस फरवरी तक जो कुम्भ हमारा समाप्त हो जायेगा उसके बाद महाशिवरात्रि के दो दिन बाद तक का प्रोटोकॉल रहेगा। जिसमें पूर्ण रूप से स्पर्श दर्शन सदैव प्रतिबंधित है। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य किसी भी आरती का टिकट भी नहीं जारी किया जा रहा है। सभी आरतियों के साथ साथ दर्शन चलते रहेंगे। सभी को झांकी दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कोई भी विशिष्ट संदर्भ अथवा विशिष्ट अनुरोध जो है वह केवल दो बजे से चार बजे दोपहर के मध्य में ही स्वीकार किये जायेंगे और उनको भी स्पर्श दर्शन नहीं कराया जा सकेगा।

महाकुंभ को देखते हुए प्रदेश के वाराणसी, अयोध्या और जौनपुर समेत कई जिलों में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं मुहैय्या कराई जा रही हैं।

****

सूर्य के उत्तरायण होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का त्योहार आज हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जा रहा है। प्रदेश में इस त्योहार को खिचड़ी पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। गोरखपुर में इस त्योहार को लेकर विशेष उत्साह है। ब्रह्म मुहुर्त से ही गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। गोरक्षपीठाधीश्वर और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सबसे पहले गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट–

सुबह 4 बजे ब्रह्म मुहूर्त में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गुरु गोरखनाथ को सबसे पहले खिचड़ी अर्पण किए है। इसके बाद नेपाल राष्ट्र से आई खिचड़ी बाबा गोरखनाथ को चढ़ाई गई है। गुरु गोरखनाथ जी की पूजा अर्चना व आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं। इसके बाद से दूर दराज से आए श्रद्धालु गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। श्रद्धालुओं का हुजूम गोरखनाथ मंदिर में उमड़ पड़ा है। गुरु गोरखनाथ के जयकारों के साथ श्रद्धालु पंक्ति में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। गोरखनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। आकाशवाणी समाचार के लिए गिरीश नारायण चौबे, गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पर्वों और त्योहारों की श्रंखला का एक ऐसा पर्व है जो जगतपिता सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक उत्सव है।

उत्सव भारत की सनातन धर्म की परंपरा में आनंद के क्षणों को एक जुटता के साथ एकता के साथ आयोजित करने अपने खुशी के साथ पूरे समाज की खुशी को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम रहा है और उसी परंपरा के अनुरूप वहां की आवश्यकता उस क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुरूप भारत की ऋषि परंपरा ने पर्व और त्योहारों को वहां पर संयोजित किया आज उसके विराट रूप हम सबको देखने को मिलते हैं। पूरब में असम आदि आज में आप जाएंगे तो बिहू के रूप में पंजाब की ओर जाएंगे तो लोहड़ी के रूप में सुदुर दक्षिण में आप जाएगें तो पोंगल के रूप में, बंगाल में या महाराष्ट्र में तिलवा संक्रान्ति के रूप में उत्तर भारत में आएंगे तो खिचड़ी संक्रान्ति के रूप में इस महापर्व को आयोजित श्रद्धालु जन करते हैं।

मकर संक्रांति पर्व पर आज प्रदेश के अन्य जिलों में भी लोग पवित्र नदियों में स्नान कर पूजा पाठ कर रहे हैं।

****

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रयागराज के त्रिवेणी मार्ग पर प्रदर्शनी परिसर में कल से एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। यह प्रदर्शनी 'जन भागीदारी के माध्यम से जन कल्याण' तथा पिछले एक दशक में भारत सरकार की उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों और योजनाओं पर आधारित है। कल पहले ही दिन हजारों लोग प्रदर्शनी देखने पहुंचे। यह डिजिटल प्रदर्शनी छब्बीस फरवरी तक आम जनता के लिए निःशुल्क खुली रहेगी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जीवन के बारे में आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल वहां के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज स्थित आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों पर आधारित इस तीन दिवसीय संगोष्ठी के दूसरे दिन श्री योगी ने अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से प्राचीन ज्ञान धारा आयुर्वेद और योग को फिर से गौरव हासिल हो रहा है ।

एक समय ऐसा भी आया जब योग को अन्य लोगों ने अपने नाम पर पेटेंट करना प्रारंभ कर दिया। जब आयुर्वेद की तमाम औषधियों को बहुत सारे लोगों ने अपने नाम से पेटेंट करना प्रारंभ कर दिया हम उससे भी वंचित होते गये। ऐसे ही धाराएं अलग अलग समय में होती गई। लेकिन आज ये समय है जब प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एक नये भारत का हम दर्शन कर रहे हैं। इसमें बहुत सारी चीजे ऐसी देखने को मिलती हैं जिसमें भारत की ज्ञान की इस धारा को चाहे वो आयुर्वेद के माध्यम से हो चाहे वह योग के माध्यम से हो। वह किसी न किसी रूप में आज फिर से हम सब भारतीयों को प्राप्त हो हुआ दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों से मौजूदा पीढ़ी को नवीन ज्ञान और शोध की तरफ ध्यान केन्द्रित करवाने के लिए भी अपील की, ताकि लोग आसान उपचार पद्धतियों और आयुर्वेद का फायदा उठा सकें।

****